an>

Title: Need to ensure payment of insurance money for loss of crops to the farmers in Marathwada region of Maharashtra.

प्रो. रविन्द्र विश्वनाथ गायकवाड़ (उस्मानाबाद)ः मैं सूखे की मार झेल रहे किसानों की समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं। आज मराठवाड़ा सहित पूरे महाराष्ट्र तथा देश के कई हिस्सों में किसानों ने सूखे की चपेट में आकर आत्महत्याएं की हैं। मुझे बहुत पीड़ा हुई जब मैं अपने संसदीय क्षेत्र के पीड़ित तथा मृत किसानों के परिवारों से मिला। फसल की बीमा राशि का पूर्ण भुगतान न होना उनकी मूल समस्या है। इसके लिए बीमा कम्पनी को किसान हर फसल के लिए अलग-अलग प्रीमियम (किश्त) भरता है तो उसे सभी फसलों का मुआवजा मिलना चाहिए जो वर्तमान में नहीं मिल रहा है। इसी प्रकार जब किसानों के जानवरों के लिए चारा अनुदान देने का मौका आता है तो किसी एजेंसी के मार्फत नहीं देकर किसानों के खातों में सीधा जमा कराया जाना चाहिए तथा छोटे पशुओं के लिए सरकार 35 रुपए और बड़े पशुओं के लिए 70 रुपए देती है, जो पर्याप्त नहीं है। इस राशि को बढ़ाया जाना चाहिए। इसी तरह किसानों को बीज नहीं उगने पर भी काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में किसानों को तुरन्त अच्छे दर्जे का बीज उपलब्ध कराया जाना चाहिए तथा बीज नहीं उगने पर जो नुकसान हुआ, उसे अनुदान स्वरूप राशि देनी चाहिए।

दूसरा, खरीफ-रबी फसलों को मानसून के उतार-चढ़ाव से नुकसान पहुंचने पर अनुदान नहीं मिलना, उनके समय पर बिजली के बिल माफ नहीं होना, यह सब समस्याएं आज भी व्याप्त हैं जबकि आज मराठवाड़ा के किसान सार्वधिक सूखे की मार झेल रहे हैं।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह इन सब बिन्दुओं पर शीघ्रातिशीघ्र किसानों के हित में कदम उठाए।